https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

1. एन एस ए आई डी (नॉन स्टेरायडल एंटी इंफ्लेमेटरी दवाएँ)

1.1 वविरण

NSAID समान्यता बच्चों के गठयिा संबंधी रोगों का मुख्य इलाज है। इसकी भूमकिा मुख्य है। यह मुख्य रूप से लाक्षणकि जैसे सूजन दर्द व् बुखार को कम करने वाली दवाएँ हौं। ये दवाएँ बीमारी को ठीक नहीं करती तथा उसके वकिास को रोक नहीं सकती जैसे कि बड़ों में होने वाले गठयिा रोग में बताया गया है लेकनि ये बीमारी के लक्षणों को कम करती है।
ये दवाएँ मुख्य रूप से एक एंन्जाइम को रोकती है जो सूजन पैदा करने वाले पदार्थ (प्रोस्टाग्लेंडनि) को बनाने के लएि जरूरी है। ये पदार्थ शरीर की क्रयिाओं जैसे पेट की सुरक्षा व् गुर्दों में खून के बहाव का नयिंत्रण करते है। इन प्रभावों से, NSAID दवाओं के बुरे प्रभावों की पुष्टि होती है। पहले एस्परिनि सबसे अधकि उपयोग में ली जाने वाली दवा थी क्योंकि यह सस्ती और प्रभावी है लेकनि इसके बुरे प्रभवों की वजह से इसका उपयोग कम हो गया है। सबसे अधकि उपयोग की जाने वाली NSAID दवाएँ नेप्रोक्सेन, इबुप्रोफेन तथा इंडोमेथासनि है।
आजकल कुछ नई NSAID दवाएँ उपलब्ध हैं जन्हिे साइक्लोऑक्सीजनेज (कॉक्स-२) इनहबिटिर कहते है। लेकनि बच्चों में इनके उपयोग की जानकारी सीमति है। meloxicam तथा celecoxib. इसलएि ये दवाएँ बच्चों में अधकि उपयोग नहीं की जाती है। इन दवाओं से पेट संबंधति बुरे प्रभाव कम होते है और ये दूसरी दवाओं के बराबर प्रभावी है। कॉक्स-2 इन्हीबटिर, NSAIDs की तुलना में अधकि महँगी है तथा इनकी सुरक्षा और प्रभाव से संबंधति अधकि जानकारी उपलब्ध नहीं है। बच्चों में इन दवाओं के उपयोग सीमति है। meloxicom तथा celecoxib बच्चों में सुरक्षति पाई गई है। अलग अलग NSAIDs दवाओं के प्रभाव अलग अलग देखे गए है।

1.2 खुराक / दवा देने के तरीके

एक NSAID, दवा को उसके प्रभाव को मापने के लएि कम से कम ५ से ६ हफते देना जरूरी है। चँकि NSAID बीमारी के कोर्स को बदलने वाली दवाएं नहीं है, इनका उपयोग दर्द, जकड़न तथा बुखार को ठीक करने में कयिा जाता है। इन दवाओं को पनि की दवा या गोली के रूप में

लिया जा सकता है।
सिर्फ कुछ NSAID दवाएँ बच्चों में उपयोग के लिए मंजूर की गई है जैसे नेप्रोक्सिन, इबुप्रोफेन, इंडोमेथेसिन, मेलोक्सिकाम तथा सेलिकोक्सीब।

नेप्रोक्सिन

नेप्रोक्सिन को १०-२० मि.ग्रा / कि.ग्रा / प्रतिदिन, १२ घंटों के अंतर पर देना चाहिए।

आइबूप्रोफेन

आइबूप्रोफेन ६ माह से १२ माह की उम्र के बच्चों को ३०-४० मि.ग्रा / कि.ग्रा प्रतिदिन ३ से ५ खुराकों में दिया जाता है। बच्चों को समान्यता कम डोज से दवा शुरू की जाती है और धीर धीरे डोज को बढ़ाया जाता है। कम तीव्रता की बीमारी में डोज २० मि.ग्रा / कि.ग्रा प्रतिदिन दिया जाता है। ४०मि.ग्रा / कि.ग्रा / प्रतिदिन से अधिक खुराक उचित नहीं है। अधिकतम खुराक २.५ ग्रा / प्रतिदिन है।

इंडोमेथासिन

इस दवा को २ से १४ साल की उम्र के बच्चों को २-३ मि.ग्रा / कि.ग्रा / प्रतिदिन के डोज में दिया जाता है। अधिकतम डोज ५ मि.ग्रा / की ग्रा / प्रतिदिन अथवा २०० मि.ग्रा प्रतिदिन तक दिया जा सकता है। इस दवा को खाने के साथ देना चाहिए, जिससे पेट की तकलीफ कम होती है।

मेलोक्सिकाम

यह दवा २ वर्ष या उससे अधिक उम्र के बच्चों में ०.१२५ मि.ग्रा / कि.ग्रा / प्रतिदिन एक खुराक में दी जाती है अधिकतम डोज ७.५ मि.ग्रा प्रतिदिन है। ०.१२५ मि.ग्रा / कि.ग्रा से अधिक डोज के कोई अतिरिक्त फायदे नहीं देखे गये है।

सेलिकोक्सीब

दवा २ साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों में दी जाती है। १०-२५ कि.ग्रा - 50मि.ग्रा प्रतिदिन दो खुराक > 25 कि.ग्रा - 100मि.ग्रा प्रतिदिन, दो खुराक
NSAID दवाओं के आपस में एक दूसरे को प्रभावित नहीं करती है।

1.3 दुष्प्रभाव

सामान्यत: NSAID दवाएँ कोई समस्या पैदा नहीं करती है तथा इनके दुष्प्रभाव बड़ों की तुलना बच्चों में कम होते है। पेट की तकलीफ सबसे आम दुष्प्रभाव है। इसके लक्षण हलके पेट दर्द से लेकर गंभीर पेट दर्द तथा रक्तस्त्राव हो सकता है जिससे गहरे रंग का संडास होता है। इसलिए बच्चों को दवा हमेशा खाने के साथ लेने की सलाह दी जाती है। एन्टासिड, एच-2 ब्लोकर, मीसोप्रीस्टोल1 तथा PPI जैसी दवाओं का उपयोग NSAID से होने वाले पेट संबंधी गंभीर दुष्प्रभावों से बचाने में स्पष्ट नहीं हैं। लीवर पर होने वाले बुरे प्रभाव से लिवर एंजाइम बढ़ सकते है, लेकिन इसका अधिक महत्त्व नहीं है, सिवाय एस्प्रीन के।
गुर्दा संबंधी समस्या काफी दुर्लभ है और सिर्फ उनमे होती है जिन बच्चों में पहलेसे किडनी, लीवर या दिल की कोई खराबी होती है।
सिस्टमिक जे. आए. ए. के मरीजों में NSAID से मैक्रोफेज एक्टिविशन सिंड्रोम हो सकता है जो कि शरीर के प्रतिरिक्षा तंत्र के गंभीर रूप से सक्रिय होने की वजह से होता है।
NSAIDs खून के जमने को प्रभावित करता है लेकिन इसका अधिक महत्त्व नहीं है सिवाय उन

बच्चों के जनिमे पहले से ही खून न जमने की खराबी होती है। एस्प्रीन से खून जमने की समस्याएँ अधकि होती है। इसलएि इसका उपयोग उन बीमारयिों में कयिा जाता है जहाँ खून जमने का खतरा अधकि होता है; इन मामलों में एस्प्रीन कम खुराक में दी जाती है। इंडोमेथासनि सस्टिेमकि जे आए ए में बुखार के नयिंत्रण में उपयोगी है।

1.4 मुख्य बाल गठयिा संबंधी रोग जनिमे ये दवाएँ उपयोगी है :
NSAID दवाएँ ज्यादतर सभी बाल गठयिा संबंधी रोगों में उपयोगी है।

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov